Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding the Supreme Court judgement for the construction of Ram Temple in Ayodhya.

श्री गणेश सिंह (सतना): अध्यक्ष महोदया, आज मैं संसद में राम मंदिर निर्माण का मामला उठाते हुए देश के सभी राजनीतिक दलों से मांग करता हूं कि हिंदुओं की भावनाओं का आदर करते हुए करोड़ों लोगों की आस्था के केन्द्र अयोध्या में राम मंदिर निर्माण हेतु अपना समर्थन देने पर विचार करे। हिंदू समाज 1528 ईस्वी से श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए लगातार संघर्षरत है। देश में 1947 में आजादी के बाद तत्कालीन गृह मंत्री श्री सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया था, तब नेहरू जी प्रधान मंत्री थे। उनका समर्थन गांधी जी ने किया तथा तब के राष्ट्रपति डा.राजेन्द्र प्रसाद जी ने नवनिर्मित मंदिर के ज्योतिर्लिंग की प्राण प्रतिष्ठा की थी। आज पुनः देश में एक ऐसा अवसर आया है कि देश अपने बड़े विचार का समर्थन कर राम मंदिर निर्माण के रास्ते को प्रशस्त करे।

सुप्रीम कोर्ट से भी मेरा आग्रह है कि राम जन्मभूमि पर अपना निर्णय तत्काल सुनाने हेतु लगातार सुनवाई शुरू करे, यदि किसी को लिए रात्रि में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर सकती है तो राम मंदिर का मामला तो करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रतीक है, इसलिए उस पर भी तत्काल निर्णय देने का काम करना चाहिए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री उदय प्रताप सिंह, डा.किरीट सोलंकी, श्री देवजी एम. पटेल, श्री नारणभाई काछड़िया, डा.संजय जायसवाल, श्री निशिकान्त दुबे, श्री सुभाष चंद बहेड़िया तथा श्री रत्न लाल कटारिया को श्री गणेश सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।